Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 11

इतिहास

विश्व इतिहास के कुछ विषय

अनुभाग-3 : बदलती परम्पराएँ
विषय-5: बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ

अभ्यास प्रश्न-2

निर्मल सिंह



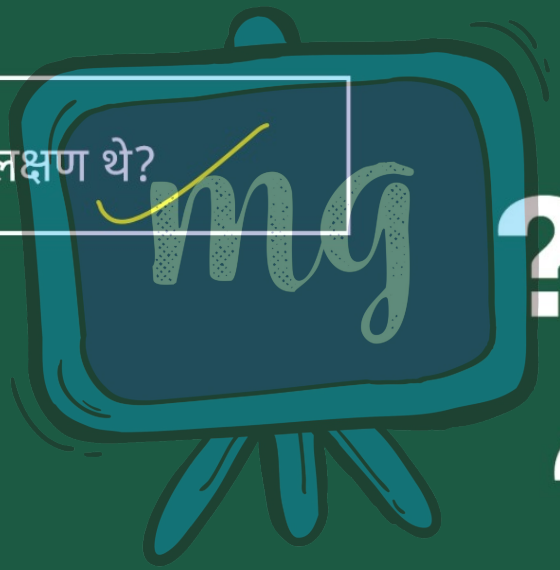
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संक्षेप में निबंध लिखिए

5 | मानवतावादी विचारों के क्या अभिलक्षण थे?





Under CSR Support by ipca | Foundation

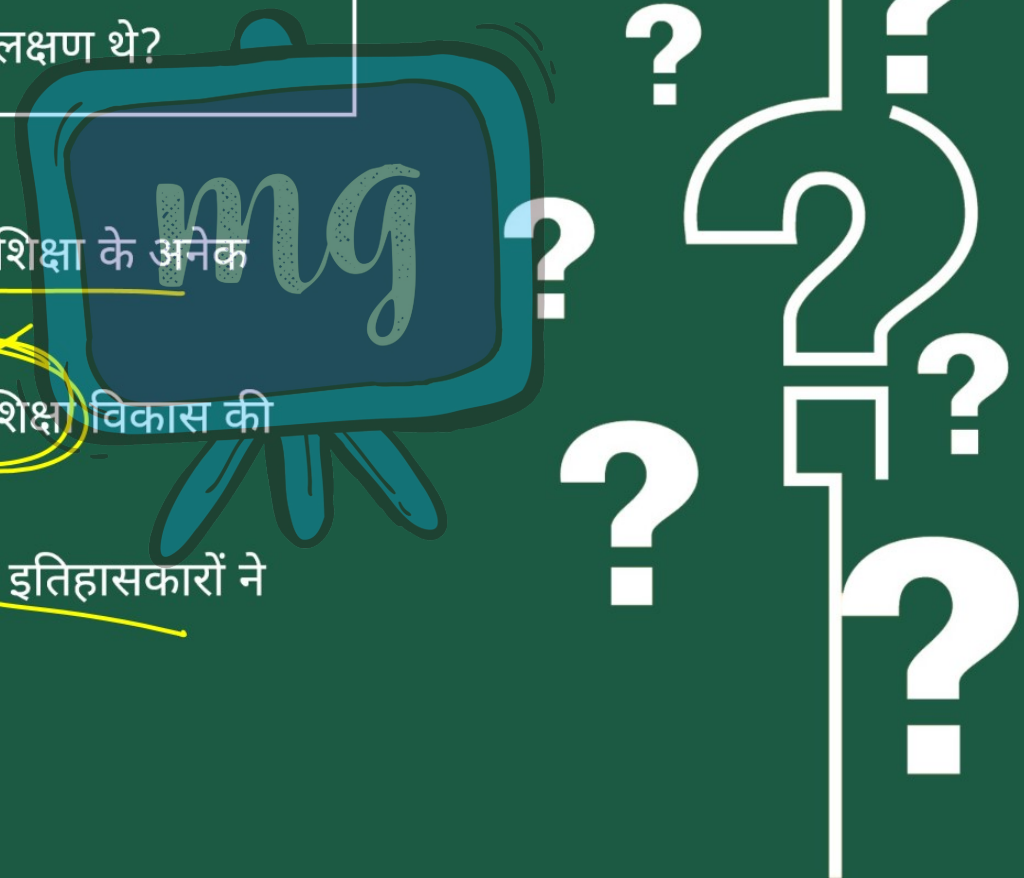
अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5 | मानवतावादी विचारों के क्या अभिलक्षण थे?

उत्तर :

- यूरोप में तेरहवीं व चौदहवीं शताब्दी में शिक्षा के अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया गया।
- विद्वानों का मत था कि केवल धार्मिक शिक्षा विकास की दृष्टि से पर्याप्त नहीं है।
- इसी नयी संस्कृति को उन्नीसवीं सदी के इतिहासकारों ने 'मानवतावाद' की संज्ञा दी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पंद्रहवीं शताब्दी के शुरुआत में मानवतावादी शब्द उन अध्यापकों के लिए प्रयुक्त किया जाता था जो व्याकरण, अलंकारशास्त्र, कविता, इतिहास तथा नीतिदर्शन में अध्ययन कार्य करते थे।
- यह शब्द लैटिन शब्द ह्यूमैनिटीज शब्द से बना है।
- सदियों पूर्व रोम के वकीलों तथा निबंधकारों में सिसरो ने जो कि जूलियस सीजर का समकालीन था ने इसे, "संस्कृति" के अर्थ में ग्रहण किया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावादी विचारों के मुख्य अभिलक्षण इस प्रकार थे:-

- मानवतावाद विचारधारा के अंर्तगत मानव जीवन के सुख और समृद्धि पर बल दिया जाता था।
- मानव का अपना एक अलग विशेष महत्त्व है।
- मानव जीवन को सुधारने व उसके भौतिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने पर बल देना चाहिए।
- मानव का सम्मान करना चाहिए,क्योंकि मानव ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचनाओं में से एक है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पुनर्जागरण काल में महान कलाकारों की कृतियों और मूर्तियों में जीसस क्राइस्ट को मानव शिशु के रूप में और मेरी को वात्सल्यमयी माँ के रूप में चित्रित किया गया है।
- निःसंदेह मानवतावादी रचनाओं में धार्मिक भावनाओं का ह्रास पाया जाता है।
- पुनर्जागरण काल में महान साहित्यकारों ने अपनी कृतियों में मानव की भावनाओं, दुर्बलताओं और शक्तियों का विश्लेषण किया है।

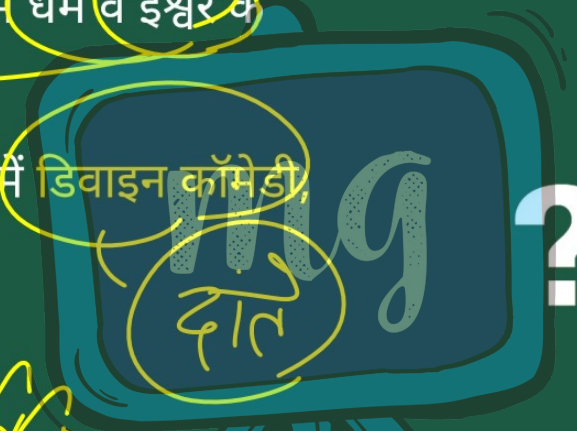


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने अपनी कृतियों के केंद्र के रूप में धर्म व ईश्वर के स्थान पर मानव को रखा।
- इस युग की प्रमुख साहित्यिक कृतियों में डिवाइन कॉमेडी, यूटोपिया, हैमलेट आदि प्रसिद्ध हैं।



टॉमस मूर विलियम शेक्सपियर

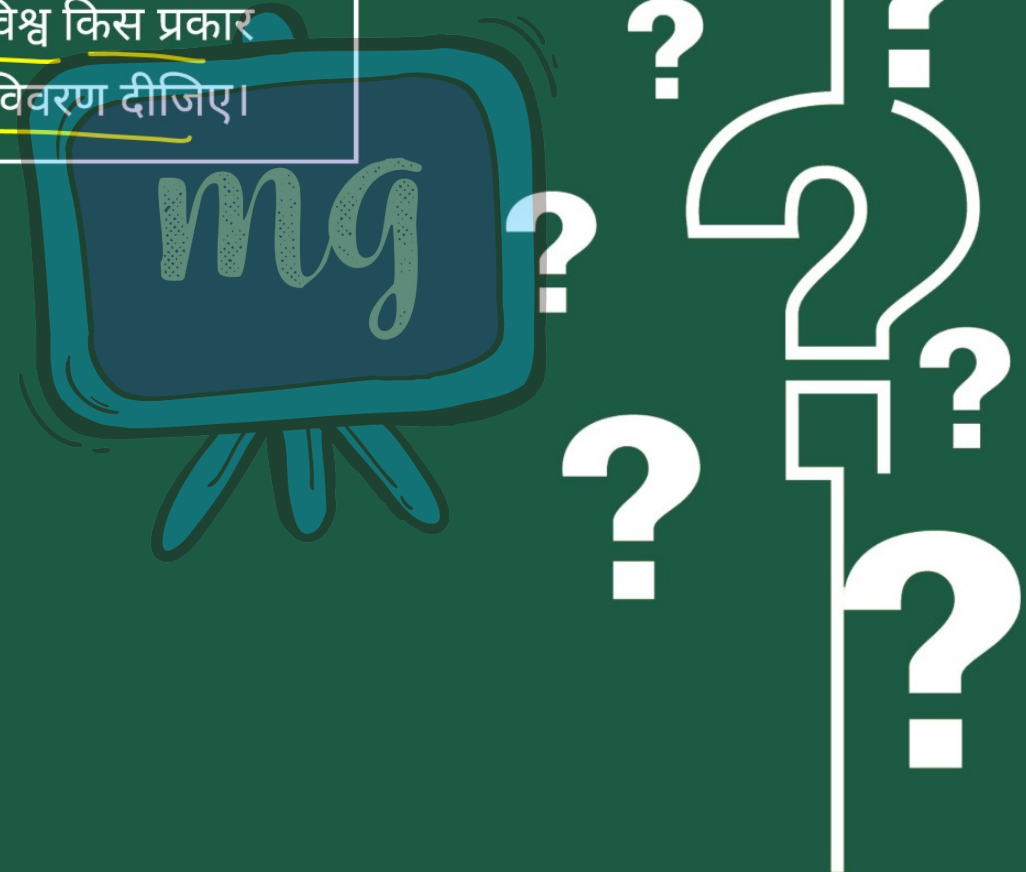


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6 सत्रहवीं शताब्दी के यूरोपियों को विश्व किस प्रकार भिन्न लगा? उसका एक सुचिंतित विवरण दीजिए।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6 सत्रहवीं शताब्दी के यूरोपियों को विश्व किस प्रकार भिन्न लगा? उसका एक सुचिंतित विवरण दीजिए।

उत्तर :

- पुनर्जागरण ने प्रत्येक तथ्य को तर्क की कसौटी पर कसने की जिस अवधारणा को उत्पन्न किया उसके परिणामस्वरूप विज्ञान के क्षेत्र में विशेष रूप से प्रगति हुई।
- मध्ययुग का एक सिद्धांत था कि पृथ्वी विश्व की धुरी है।
- यह धारणा आलोचना का प्रतिपाद्य बन गई।

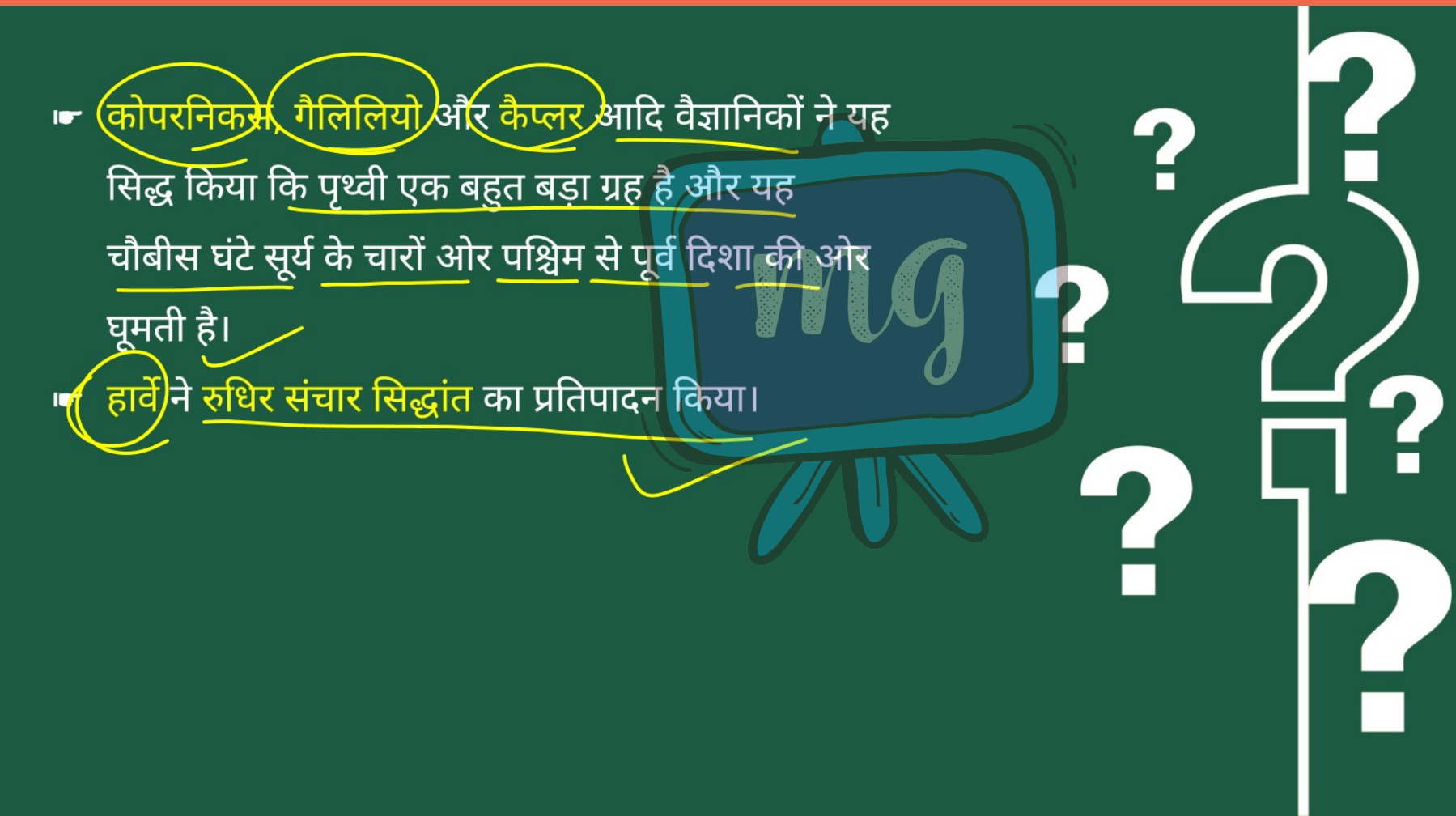


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- कोपरनिकस, गैलिलियो और कैप्लर आदि वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया कि पृथ्वी एक बहुत बड़ा ग्रह है और यह चौबीस घंटे सूर्य के चारों ओर पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर घूमती है।
- हार्वे ने रुधिर संचार सिद्धांत का प्रतिपादन किया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ नौसंचालन एवं चुंबकीय कंपास के कारण समुद्री यात्राएँ शुरू की गयी और अनेक नये-नये समुद्री मार्गों, द्वीपों एवं देशों की खोज की गई।



mg चुम्बकीय कम्पास

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- कोलंबस ने सन् 1492 में अमेरिका का अन्वेषण किया तो 1498 में वास्कोडिगामा समुद्री मार्ग से भारत आया।
- इस्लाम के विस्तार और मंगोलों की जीत से एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका का संबंध यूरोप के अनेक देशों के साथ वाणिज्यिक आधार पर स्थापित हुआ।
- परिणामतः उन द्वीपों व देशों की सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्तर पर जानकारियाँ प्राप्त हुई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरी तरफ यूरोपवासियों ने केवल यूनानी व रोमन लोगों से ही नहीं सीखा बल्कि अरब, ईरान, मध्य एशिया और चीन जैसे देशों से ज्ञान की प्राप्ति की।
- मानव ने अपने ज्ञान क्षेत्र में काफी हद तक विस्तार किया।
- वैसेलियस ने शल्य चिकित्सा के आधार पर मानव शरीर से संबंधित तथ्यों की जानकारी प्रदान की।
- इस प्रकार सत्रहवीं शताब्दी के यूरोपवासियों के लिए विश्व की अवधारणा पूर्णतः अलग थी।

